दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 159
मुरादाबाद
(Tuesday)
29 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भगत सिंह जयंतीः पीएम मोदी बोले- युवाओं के लिए प्रेरणापुंज;कई नेताओं ने किया शहीद-ए-आजम को नमन

शहीद भगत सिंह की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्र सरकार के कई मंत्रियों समेत भाजपा नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने भगत सिंह के साहस और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणापुंज बताया।देश के महान क्रांतिकारी और अमर बलिदानी शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर आज पूरे देश ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला समेत केंद्र सरकार के कई मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर पोस्ट करते हुए लिखा, शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अपने अदम्य साहस और शौर्य से उन्होंने आजादी के आंदोलन को नई धार दी। राष्ट्र के सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का उनका जज्बा भारत के नौजवानों की हिम्मत और हौसले का प्रतीक है।पीएम मोदी ने एक वीडियो संदेश भी जारी किया। उन्होंने कहा, अमर शहीद भगत सिंह हर भारतवासी विशेषकर युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज हैं। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूटकर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह ने अंग्रेजों को पत्र भी लिखा। उन्होंने कहा था कि आप मुझसे और मेरे साथियों से युद्धबंदी जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, बल्कि सीधा गोली मारकर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है। वे लोगों की पीड़ा के प्रति भी बहुत संवेदनशील थे और उनकी मदद को हमेशा आगे रहते थे। मैं शहीद भगत सिंह को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अपने पोस्ट में लिखा, क्रांति, विचार और अदम्य राष्ट्रप्रेम के अमर प्रतीक शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। शहीद भगत सिंह का नाम भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में युवा चेतना, वैचारिक साहस और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में अमर है। बहुत कम आयु में उन्होंने अपने जीवन का उद्देश्य देश की स्वतंत्रता और समाज के व्यापक परिवर्तन को बनाया। उनका संघर्ष केवल विदेशी शासन से मुक्ति तक सीमित नहीं था; बल्कि वे एक ऐसे भारत का सपना देखते थे, जहां शोषण, असमानता और अन्याय के लिए कोई स्थान न हो। उन्होंने आगे लिखा, अल्पायु में उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास की उन अमर गाथाओं में शामिल है, जिन्हें देश सदैव श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण करता रहेगा। आज उनकी जयंती पर हम भगत सिंह के साहस, विचारों, अध्ययनशीलता और बलिदान को नमन करते हैं। और किन नेताओं ने किया नमन?- केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लिखा, मां भारती के वीर सपूत शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा, महान क्रांतिकारी, शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। युवावस्था में ही उन्होंने अपने अदम्य साहस से स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनका साहस, देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। भाजपा सांसद संजय सेठ ने कहा, ारत स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी, शहीद भगत सिंह की जयंती पर शत-शत् नमन। देश की स्वतंत्रता और अस्मिता की रक्षार्थ उनका सर्वोच्च बलिदान युगों-युगों तक क्रांति की प्रखर ध्वनि रहेगी। भाजपा नेता संबित पात्रा ने लिखा, हान स्वाधीनता सेनानी, आजादी के आंदोलन में असंख्य युवाओं के प्रेरणा स्रोत, अमर बलिदानी सरदार भगत सिंह को उनकी जयंती पर कोटिशः नमन। भगत सिंह अनंतकाल तक हर देशप्रेमी के लिए त्याग और समर्पण की प्रेरणा बने रहेंगे। भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी ने लिखा, मां भारती के अमर सपूत शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर कोटि-कोटी नमन। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले भगत सिंह का त्याग और बलिदान माँ भारती के इतिहास में सदैव स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। मेरा रंग दे बसंती चोला...

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर को लेकर बढ़ी सियासी हलचलः रामदास आठवले बोले- सीईसी के इस्तीफे की मांग उचित नहीं

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने एसआईआर का समर्थन करते हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण जरूरी और चुनाव आयोग स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है।केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि एसआईआर के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग सरासर अनुचित है। उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए। पारदर्शी एवं विश्वसनीय चुनाव के लिए मतदाता सूची का समय-समय पर पुनरीक्षण आवश्यक है और निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। रामदास आठवले ने रविवार को कहा कि कि राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों द्वारा किसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता पर बिना उचित आधार सवाल उठाना उचित नहीं है, क्योंकि इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास पर असर पड़ सकता है। निर्वाचन आयोग अपने आंतरिक कामकाज को लेकर आधिकारिक स्पष्टीकरण दे चुका है। तीफे की मांग करना उचित नहीं है और कॉकरोच जनता पार्टी को अपना नाम बदलकर 'इस्तीफा जनता पार्टी' रख लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) एसआईआर का समर्थन करती है, क्योंकि इसका उद्देश्य पात्र मतदाताओं का अधिकार छीनना नहीं, बल्कि मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है।

'झूठ सौ बार बोलने से सच नहीं बनता':विपक्ष के आरोपों पर नड्डा का पलटवार, कहा- देश का माहौल खराब करने की कोशिश

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि बार-बार झूठ बोलने से वह सच नहीं बन जाता। उन्होंने विपक्ष पर देश का माहौल खराब करने और जनता को गुमराह करने की कोशिश का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि सरकार विकास और जनहित के मुद्दों पर काम कर रही है।केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को चुनाव आयोग पर विपक्ष के आरोपों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने विपक्ष के सभी झूठों का पर्दाफाश कर दिया है। विपक्षी नेताओं पर जनता को गुमराह करने और देश में भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। जेपी नड्डा ने क्या कहा? - पत्रकारों से बात करते हुए नड्डा ने कहा कि तथ्यों की कसौटी पर परखने पर विपक्ष के आरोप बार-बार खारिज किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके आरोपों की सच्चाई चुनाव आयोग और देश की सर्वोच्च अदालतों के सामने भी आ चुकी है। नड्डा ने कहा, %अब चुनाव आयोग ने सारे झूठ बेनकाब कर दिए हैं।% उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के सभी सदस्यों के जवाब देने के बावजूद वे आरोप लगाते रहते हैं।राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल आरोप लगाते हैं और चले जाते हैं। उन्हें जनहित से कोई लेना-देना नहीं है।% केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब विपक्ष के पास इरादा और विजन की कमी होती है, तो वे देश में भ्रम पैदा करने और माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। नड्डा ने कहा, हमने कुछ दिन पहले देखा कि कैसे एक मनगढ़ंत खबर के आधार पर देश भर में माहौल खराब करने की कोशिश की गई थी। अब, चुनाव आयोग के सभी सदस्यों द्वारा उनके आरोपों का जवाब दिए जाने के बाद भी, वे एक बार फिर देश का माहौल खराब करने की कोशिशों में लगे हुए हैं। राहुल गांधी को लेकर क्या कहा?- राहुल गांधी पर सीधा निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा, %राहुल गांधी, ध्यान से सुनिए किसी झूठ को सौ बार दोहराने से वह सच नहीं बन जाता, और सच को कभी हराया नहीं जा सकता।% नड्डा ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी समेत विपक्ष के नेताओं की राजनीति संवैधानिक और स्वायत्त संस्थाओं पर सवाल उठाने तक ही सिमटती जा रही है। उन्होंने कहा, आरोप लगाना, भ्रम फैलाना, देश का माहौल खराब करना और फिर भाग जाना यही उनके काम करने का तरीका बन गया है। नड्डा ने सत्ता के प्रति और विपक्ष के नजरिए में भी अंतर बताया और कहा कि पार्टी सत्ता को जनता की सेवा का जरिया मानती है। विपक्ष के लिए सत्ता का मतलब क्या है डा ने कहा, भाजपा के लिए सत्ता 140 करोड़ लोगों के हितों की सेवा करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मकसद देश के नागरिकों की सेवा करना और अंत्योदय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना है, जबकि विपक्ष पर वंशवादी राजनीति और अपने निजी हितों के लिए सत्ता हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता विपक्ष के दोहरे मापदंडों और नकारात्मक राजनीति को समझ चुकी है। इसके साथ ही जोर देकर कहा कि अस्थिरता पैदा करने की किसी भी कोशिश का जवाब जनता लोकतांत्रिक तरीके से देगी। नड्डा का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस आरोप के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि सीईसी, भाजपा की विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं।

अखिलेश यादव भाजपा पर जमकर बरसे, बोले- इस सरकार ने मदरसों के साथ भेदभाव किया, इनको सिर्फ बांटना आता है

लखनऊ में अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर मदरसों के साथ भेदभाव और लोगों को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव में वोट कटने और अनियमितताओं के भी आरोप लगाए। अखिलेश ने शिक्षा मित्रों की स्थिति सुधारने का वादा किया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी।अखिलेश यादव ने सोमवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि इस सरकार को कोई और दूसरा काम नहीं करना है। इनको सिर्फ लोगों को बांटना है। मदरसों के साथ इन्होंने भेदभाव किया है। भाजपा को सिर्फ तोड़ना आता है। आधी-अधूरी नौकरी और आधी-अधूरी शिक्षा देने का काम भाजपा ने किया था। हमारी सरकार आने पर सारी व्यवस्था ठीक कर देंगे। आने वाले समय हम शिक्षा मित्रों को और बेहतर बनाने का काम करेंगे। उनको एक शिक्षके रूप में सम्मानित करेंगे। अखिलेश-सपा के सभी 11 उम्मीदवारों को जिताएं- समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पार्टी के सभी 11 विधान परिषद उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 11 सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होना है।अखिलेश यादव ने राज्यसभा चुनाव को लेकर भी संकेत दिया कि समाजवादी पार्टी तीन उम्मीदवार मैदान में उतार सकती है। मौजूदा विधानसभा संख्या के आधार पर सपा के दो उम्मीदवारों के निर्वाचित होने की स्थिति बताई जा रही है, जबकि तीसरे उम्मीदवार के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी।उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही पुरानी पेंशन योजना लागू करने और तदर्थ शिक्षकों को बहाल करने की बात भी कही। सपा प्रमुख ने इन घोषणाओं को शिक्षकों से जुड़े मुद्दों के समाधान के तौर पर सामने रखा। वाले खुद घोटाले में शामिल- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की गड़बड़ी के कारण सपा की सरकार यूपी में नहीं बन सकी। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद हमने कहा था कि सपा समर्थकों के वोट काटे गए। 2017 में हम समझ नहीं सके। हम मानते थे कि चुनाव आयोग ईमानदारी से और निष्पक्ष होकर काम कर रहा होगा पर ऐसा नहीं था। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग चुनाव में लंबे समय से गड़बड़ी कर रहा था पर अब सामने आ रही है। भाजपा के लोगों ने गांव-गांव से वोट कटवाने की कोशिश की और बड़ी संख्या में फॉर्म-7 भरकर भेजे। लखनऊ में एक ही व्यक्ति ने फॉर्म-7 भरकर 100 से ज्यादा वोट कटवाए जबकि एक व्यक्ति सिर्फ पांच लोगों के खिलाफ ही फॉर्म-7 जमा कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव में गड़बड़ी पर आयोग का बचाव कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वो भी घोटाले में शामिल हैं। चुनावों में वोट चोरी और बेईमानी तो लंबे समय से चल रही- अखिलेश यादव ने कहा कि चुनावों में वोट चोरी और बेईमानी तो लंबे समय से चल रही है। 2022 के चुनाव में हमने देखा कि समाजवादी पार्टी समर्थकों के बड़ी संख्या में वोट काट दिए गए। अब जब बेईमानी की खबरें अखबारों में छपने लगीं, तब लोगों को समझ में आ रहा है कि वोट चोरी और चुनाव में घोटाला हो रहा है। नोएडा में अभी भी फर्जी वोट बनाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि चुनाव में वोट चोरी की जिस तरह से खबरें आ रही हैं, उसका स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट को पश्चिम बंगाल और बिहार में दोबारा चुनाव कराना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2024 में भाजपा को हराया है। 2027 में भाजपा का सफाया कर देंगे। भाजपा पूंजीपतियों के लिए काम करती है और धन्नासेठों की पार्टी है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांगः पटना में जन आक्रोश मार्च के दौरान हंगामा;पुलिस से धक्कामुक्की

पटना में वामदलों और विभिन्न जनसंगठनों के कार्यकर्ताओं ने राजभवन मार्च निकाला। जेपी गोलंबर पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्कामुक्की हुई। प्रदर्शनकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।राजधानी पटना में सोमवार को भाकपा माले, एआईवाईएफ, एआईएसएफ, एआईएसए समेत विभिन्न जनसंगठनों के कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश मार्च निकाला। गांधी मैदान के गेट नंबर-10 से शुरू हुआ यह मार्च राजभवन की ओर बढ़ रहा था। प्रदर्शनकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने यूसीसी बिल के विरोध में भी नारेबाजी की। इसके साथ ही टाउनशिप के नाम पर किसानों की जमीन लेने का मुद्दा भी उठाया गया। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी केंद्र और बिहार सरकार के खिलाफ भी नारेबाजी करते नजर आए।

जेपी गोलंबर पर पुलिस ने रोकी राह- जेपी गोलंबर के पास पटना पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। इस दौरान भाकपा माले के कुछ कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। देखते ही देखते कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ने लगे। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ धक्कामुक्की भी हुई। कुछ देर के लिए मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। प्रधानमंत्री और प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ भी नारेबाजी कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बर्बरतापूर्ण कार्रवाई करना चाहती है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे अपनी आवाज दबने नहीं देंगे और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को उठाते रहेंगे।मौके पर पुलिस बल तैनात- मार्च के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। मौके पर पुलिस बल की तैनाती की गई और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास जारी रहा।

संपादकीय Editorial

IITs of Suicides

Sahil Wakode, a promising, brilliant, talented, would-be innovator or inventor from IIT Bombay, committed suicide. He hanged himself from a ceiling fan. In an instant, a world of dreams and possibilities vanished. This tragedy will soon be a thing of the past, as suicidal tendencies and a defeated mindset among young students are a constant, a continual process. Such incidents are deeply heartbreaking and tragic, tearing families apart, and little thought is given to the plight of parents who have managed to provide resources for their IIT-graduates. Now, on the cusp of old age, they are suddenly left alone. These youth suicides are occurring in all the major IITs and in coaching hub cities like Kota. What mental pressure, fear of competition, family worries, and, most terrifyingly, loneliness are driving our talented students to suicide? Despite being in IITs, will they have to be taught how to struggle? The government and top educational institutions have established guidelines for students, administration, and professors, including them in the National Education Policy, yet suicides continue! This is a deeply concerning situation. Three students at IIT Bombay alone committed suicide in the first seven months of 2026.

The highest number of suicides are at IIT Kharagpur and Madras. In 2025, 15 students across all major IITs committed suicide, and between 2021 and 2025, this figure rose to 65. Between 2006 and 2026, 171 "unusual deaths" were recorded, with 140 of these suicides being committed by IIT students. The Union Ministry of Education has also presented reports and statistics in Parliament, stating that dozens of suicides have been reported at the country's top institutions (IITs, IIMs, and NITs) over the past few years. Although such youth tragedies have been isolated at IIMs, the suicidal mindset is increasing at other institutions. Systems are also responsible. Mental health services are not available in nearly 65 percent of higher education institutions. There are no mechanisms to manage depression and stress. Sympathy for Sahil, the student who committed suicide, and condolences for his family are natural, but concluding that Professor Suryanarayana subjected him to caste-based harassment and abuse would be unfair and biased. Such professors nurture a generation of innovations, as they are fundamentally teachers. We have touched the feet of Dalit and OBC teachers during our student days. Of course, the views of the general public may be different! But the teacher-student relationship is not casteist. This, too, is a political narrative. In an average IIT class, more than 60 percent of students are from Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and OBCs. These students have their own groups, so no professor or upper-caste student can easily exploit or isolate them on the basis of caste. This propaganda should be avoided. At the IIT level, professor-student relationships can also become "friendly," as some of the students can join the institute as junior professors. Although the police have filed a case against the accused professor under sections of abetment to suicide, abetment to suicide, and the SC/ST Act, the investigation should be awaited. Of course, the anger and resentment of the deceased student's parents are understandable, and their allegations may be justified, but labeling the professor a "villain" without any evidence or investigation is also unjust. IIT Bombay has approximately 14,000 students. Most of its students and professors support the accused teacher. Other IITs have also supported him. No definitive conclusion can be reached based on these facts alone. At IITs, over 56% of faculty members are "forward-caste,"

Cities of Hope: Indian Cities Are the World's Fastest-Growing Cities, Progress No Longer Limited to Metropolises

According to Oxford Economics, by 2050, Indian cities will account for a large number of the world's fastest-growing cities, indicating that the country's economic progress is no longer limited to metropolises; small and medium-sized cities are also emerging as hubs of employment, investment, productivity, and new business opportunities.

Although Indian cities do not yet rank among the top 1,000 cities in the overall global index, it is encouraging for India that 55 of its cities have been ranked among the emerging cities, and 23 Indian cities are also included in the top 50.

The Oxford Economics assessment attributes the strong GDP growth, growing workforce, productivity, and income potential of Indian cities as the foundation for their future economic strength. For a long time, India's economic story was dominated by metropolises like Mumbai, Delhi, Bengaluru, Chennai, and Hyderabad. However, now many cities like Agra, Jaipur, Amravati, Surat, and Tiruchirappalli are developing their own regional economic systems. The Oxford Economics assessment attributes the strong GDP growth, growing workforce, productivity, and income potential of Indian cities as the foundation for their future economic strength. For a long time, India's economic story was dominated by metropolises like Mumbai, Delhi, Bengaluru, Chennai, and Hyderabad. However, many cities like Agra, Jaipur, Amravati, Surat, and Tiruchirappalli are now developing their own regional economic ecosystems. Digital infrastructure, improved connectivity, industrial corridors, a startup culture, and government investment have created a platform for economic activity outside of metropolitan areas. This shift is crucial for the country as it will expand the geographical reach of economic opportunities and reduce the population and resource pressure on metropolitan areas. The example of Delhi further illustrates both this potential and challenge. According to the report, Delhi is currently the 63rd largest urban economy in the world and is projected to reach the 14th position by 2050.

However, poor air quality and income inequality are cited as the biggest challenges facing it. Therefore, the question of whether India is able to translate the rapid economic growth of its cities into livable and sustainable cities is crucial. Economic growth itself does not guarantee a better quality of life. If problems like traffic, pollution, water scarcity, waste management, housing shortages, inequality, and public transportation in growing cities are not addressed in a timely manner, a significant portion of economic growth could be lost to paying the price of urban chaos. next challenge is to bring more cities forward in the race for economic development, while also building cities where the benefits of economic opportunities reach a wider population, and the environmental and social burdens of development are not unbearable. Only then can this figure of 55 cities become the foundation for much broader economic change in the years to come.

A theater of endless wars: A fascinating triangle across three continents! The US is wielding the weapon of economic pressure.

US President Donald Trump's diary is a battlefield in itself. Immediately after US envoys returned from Moscow with a ceasefire plan, Trump spoke with Russian President Vladimir Putin over the phone for an hour. However, the ceasefire lasted only over the weekend, and fighting resumed on Monday. Trump faces several important tasks—debating his "grand ballroom," censoring the media, demolishing the Kennedy Center, addressing Taiwan and Venezuelan oil issues,

and allaying growing fears about AI. Furthermore, he faces the challenge of managing his image during midterm election rallies.

According to Trump's diary, Chinese President Xi Jinping has arrived in Washington. Donald Trump has not spoken to Prime Minister Modi recently, but it is believed that discussions about India continue in the Oval Office. In this interesting triumvirate of leaders from three continents, Trump is trying to end wars—one the war he promised to end in a day and the other a new war he promised not to start. By last Friday, another entry had been added to his diary—H.R. 5334, the "Lindsey O. Graham Sanctioning Russia and Iran Act of 2026." This bill became law after passing the US Congress and being signed by the President. It contains over 200 sections, with provisions for severe penalties and some interesting exemptions. Section 114 is particularly notable,

stating that it will not apply to the import of low-enriched uranium into the US. The Graham Act imposes sanctions on Russia and extends the sanctions on Iran for another five years. It also allows tariffs of up to 100 percent on the five largest oil buyers from Russia, including India. China is the second-largest oil buyer. If viewed as a law against Russia, it is a direct and harsh weapon. However, if viewed as a dynamic between the three countries, it could also become a potential weapon for peace. At first glance, the US Congress has given the President an economic weapon aimed at achieving something through pressure. The question is whether the threat of tariffs can deter Russia or China. Experience so far has not been particularly encouraging. There is considerable discussion about the potential impact of the Graham Act on India's oil imports from Russia. India has largely stabilized prices by absorbing the shock through oil companies and adjusting taxes. However, price pressure is impacting refineries and government revenues. This will also impact taxpayers and inflation figures. So far,

India has maintained its strategic independence by avoiding sanctions and has sought alternative sources of hydrocarbons, from Venezuela to Iran and Russia, to benefit its economy. But can the US force China to stop buying oil or gas from Russia and Iran? When it comes to action under the Graham Act, Beijing is far more advanced than Delhi. The law requires the president to impose taxes within 30 days of its enactment. While much is theoretically possible, in reality, the scope of possibilities is vast. For example, China, which owes over $600 billion in US debt, could disrupt the production chain of everything from rare earths to pharmaceutical materials.

China certainly has these options, but it's equally clear that it won't have to use them.

Threats, pressure diplomacy, and punitive actions depend on the circumstances and available options. Economic factors are one factor, and geopolitical factors are another. Economic data is signaling danger. The biggest economic indicator is also political. The average price of gasoline in the US is over $4.2 per gallon, and diesel over $6.2. In a survey conducted before the midterm elections, 84 percent of Democrats, 73 percent of independents, and 66 percent of Republicans agreed that tariffs had increased prices. In the Cato Fall 2026 survey, 75 percent agreed that tariffs would have an impact. Prices are determined by supply and demand. This week, Brent crude oil reached nearly $110 per barrel after Houthi attacks on pipelines forced Saudi Arabia to reduce production and cancel some shipments to Europe. This supply reduction directly impacts prices.

India says that if it had stopped buying oil from Russia, global crude oil prices could have reached $200 per barrel. India is among the countries that supply diesel to Europe. Therefore, any pressure or threat will reduce production and increase global prices. Especially given the geopolitical climate following the BRICS summit in New Delhi, it seems likely that the US will tread cautiously, following the example of Deng Xiaoping. The agenda for the Xi-Trump meeting is to advance the consensus reached in Busan and Beijing—including issues such as a trade truce, rare earths, Taiwan, and AI. However, more important than the agenda items are those that are not. The US will seek to find a way to end the ongoing wars in Iran and Ukraine. Any major breakthrough will be shaped by the president's authority to grant waivers under the Graham Act. China has the power to influence Iran and Russia. Be it economic or political.

None of these things are happening suddenly. On the same day the House voted on the Graham Act,

the US Federal Reserve raised interest rates from 3.75 to 4 percent. In August, America's debt surpassed $4 trillion and is growing at a rate of approximately $7.35 billion per day. The US government, grappling with the political risks of inflation, cannot escape by pressuring the global oil trade. It will have to pay the price for this legislation twice—once at the petrol pump and once at the polls.

बारिश के बीच मकान ढहने से तीन की जान गई, करंट से महिला की मौत, मुरादाबाद मंडल में गिरे दस मकान

मुरादाबाद मंडल में लगातार बारिश और तेज हवा से जनजीवन प्रभावित है। रामपुर में मकान गिरने की दो घटनाओं में बुजुर्ग महिला और किशोर की मौत हो गई, जबकि जलनिकासी के दौरान करंट लगने से एक महिला ने दम तोड़ दिया। संभल में मकान ढहने से बुजुर्ग महिला की जान चली गई। मंडल में अब तक 10 मकान ढहने से नौ लोग घायल हुए हैं।

मुरादाबाद मंडल के रामपुर,अमरोहा, संभल और मुरादाबाद जिलों में रविवार को भी बारिश और तेज हवा ने जनजीवन प्रभावित किया। रामपुर में दो मकान गिरने से दो लोगों की जान चली गई, जबकि बारिश का पानी बाहर खींचते समय करंट से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, संभल में बारिश के बीच एक मकान ढह गया, जिसके मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया।

मुरादाबाद मंडल में अलग-अलग स्थानों पर 10 मकान ढहने का आंकड़ा सामने आया है। इन हादसों में नौ लोग जख्मी हुए हैं। अमरोहा में दो दिनों में सबसे अधिक 381 एमएम बारिश रिकार्ड की गई। मुरादाबाद मंडल में शुक्रवार रात से शुरू हुई बारिश शनिवार के बाद रविवार को भी जारी रही।रविवार को बारिश के बीच रामपुर के काशीपुर गांव में कच्चे मकान की छत गिरने से चारपाई पर बैठीं लाडो (65) की मौत हो गई। वहीं, शाहबाद क्षेत्र के रवानापट्टी उदा गांव में 50 फीट ऊंचा लिंटर गिरने से एक किशोर (अजीम-16) की जान चली गई। इसके अलावा अजीतपुर में बारिश का पानी बाहर खींचते समय करंट लगने से एक महिला (शबीना-40) की जान चली गई।

संभल के बनियाठेर थाना क्षेत्र के गांव अकरौली के मजरा गोपालपुर में रविवार तड़के चार बजे कच्चे मकान की गर्डर-पटिया की छत भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर सोमवती देवी (70) की मौत हो गई। बबराला थाना क्षेत्र के गांव पंवारी में कच्चा मकान गिरने से मकान स्वामी विनोद घायल हो गए, जबकि गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव गढ़िया में शनिवार देर रात एक बजे मकान का बरामदा गिरने से वहां सो रहे नरेश (42) घायल हो गए। मुरादाबाद जिले में लगातार हो रही बारिश से मकान और दीवार गिरने की तीन घटनाएं हुईं। कुंदरकी के चक हबीबीपुर में मकान की कच्ची छत गिरने से तीन बहनें घायल हो गईं। मूंढापांडे के हिरनखेड़ा में शनिवार देर रात एक मकान गिर गया। गनीमत रही कि परिवार के सदस्य बरामदे में सो रहे थे। वहीं, पाकबड़ा में भी एक मकान की दीवार गिर गई। अमरोहा जिले के आदमपुर और हसनपुर क्षेत्र में तीन स्थानों पर मकान और पशुशाला ढह गईं। मलबे में दबकर एक ही परिवार के चार लोग और दो मवेशी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। नंगलिया मुंशी गांव में मकान की छत गिरने से परिवार बाल-बाल बच गया। मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव झुझैला चक में विधवा महिला का मकान गिर गया। इसके मलबे में दबकर एक युवक चोटिल हो गया। वहीं, गांव कुआंखेड़ा में शनिवार रात आटा चक्की से सटे मकान की छत गिर गई। आदमपुर क्षेत्र के ही मुबारिजपुर गांव में बारिश की नमी के कारण किसान की पशुशाला अचानक ढह गई। शुक्रवार से जारी बारिश के दौर के बीच तेजा हवा किसानों और खेतों पर भारी पड़ी है। हर जिले से धान और गन्ने की तैयार फसलों को व्यापक नुकसान की बात सामने आ रही है।दो दिनों में किस जिले में कितनी बारिश-अमरोहा- 381 एमएम रामपुर = 315 एमएम संभल = 300 एमएम मुरादाबाद = 170 एमएम

अमरोहा दरिंदगी केस: मोबाइल लोकेशन से खुलेगा राज, सोनीपत से फार्म हाउस तक सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

विधायक के फार्म हाउस पर दुष्कर्म को लेकर महिला आयोग सख्त, डीजीपी से मांगी रिपोर्ट; सात दिन की मोहलत

विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस में हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म मामले की जांच अब डिजिटल साक्ष्यों पर केंद्रित है। पुलिस आरोपियों और युवती की मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। युवती के सोनीपत से फार्म हाउस तक पहुंचने की कड़ियां जोड़ने के लिए पुलिस टीमें मेरठ और सोनीपत गई हैं। अमरोहा जिले के हसनपुर के झूलपुरी स्थित उत्तराखंड के खानपुर विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस में हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म में जांच अब मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज तक पहुंच गई है। घटना से पहले युवती कहां-कहां गई

और फार्म हाउस तक कैसे पहुंची, इसकी कड़ियां जोड़ने के लिए पुलिस टीम मेरठ और सोनीपत पहुंची है।राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने प्रदेश के डीजीपी को पत्र भेजकर सात दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) देने को कहा है।हसनपुर क्षेत्र में उत्तराखंड के खानपुर के निर्दलीय विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस में हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म का राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने संज्ञान लिया है। उन्होंने प्रदेश के डीजीपी को पत्र भेजकर सात दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) देने को कहा है।भाकियू संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने महिला आयोग की अध्यक्ष को पत्र भेजकर घटना की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की थी। इस आधार पर आयोग की अध्यक्ष ने डीजीपी को भेजे पत्र की कॉपी उन्हें भी भेजी है। चौधरी ने बताया कि आयोग की अध्यक्ष ने डीजीपी को पत्र भेजकर मामले की समयबद्ध और विस्तृत जांच सुनिश्चित करने को कहा है।निर्देश दिए हैं कि जांच में बीएनएस की प्रासंगिक धाराओं के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही घटना से जुड़े फोरेंसिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और आरोपियों के सहयोगी अथवा किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की जाए। दोषी पाए जाने वाले पुलिस और अन्य कर्मियों के खिलाफ त्वरित विभागीय कार्रवाई करने को कहा है। पत्र में पीड़िता और उसके परिवार को आवश्यक चिकित्सकीय, कानूनी, मनोवैज्ञानिक और सुरक्षा सहायता उपलब्ध कराने तथा नियमानुसार आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। फार्म हाउस में पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों को गृह विभाग की जांच टीम बताकर ठहराने के आरोपों में घिरे रजबपुर थाने के दरोगा नरेशपाल राणा को रविवार को निलंबित कर दिया गया है। उनका इन लोगों से कोई संपर्क या संबंध तो नहीं है इसकी भी जांच की जाएगी। विधायक ने किया पलटवार -पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। अब इसके जवाब में उमेश कुमार ने सोशल मीडिया के जरिये पलटवार किया है।

सोनीपत से गढ़मुक्तेश्वर तक रास्ते में पड़ने वाले टोल प्लाजा और अन्य स्थानों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। एसएसआई नरेश पाल राणा, दरोगा संजय तोमर, सिपाही प्रमोद और सीआरपीएफ इंस्पेक्टर लालाराम यादव व हेड कांस्टेबल मोहित की सीडीआर भी जांच के लिए निकलवाई गई है। एसएसआई पर फार्म हाउस में कमरा दिलाने का आरोप है।अब जांच का सबसे अहम हिस्सा डिजिटल साक्ष्य बन गया है। पुलिस युवती और आरोपियों के मोबाइल की लोकेशन, आपसी बातचीत और घटनाक्रम के दौरान उनकी मौजूदगी की कड़ियां जोड़ रही है। इसके साथ ही रास्ते में लगे कैमरों की फुटेज से भी घटनाक्रम की पुष्टि करने का प्रयास किया जा रहा है। फार्म हाउस के केयरटेकर और चौकीदार के बयान भी जांच में अहम हिस्सा बनेंगे।अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने बताया कि मामले में डिजिटल और भौतिक साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। मजबूत साक्ष्यों के साथ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। 22 सितंबर की रात झूलपुरी के फार्म हाउस में युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। मामले में हसनपुर पुलिस ने हसनपुर कोतवाली में तैनात दरोगा संजय तोमर, सिपाही प्रमोद, सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर लालाराम और हेड कांस्टेबल मोहित को गिरफ्तार किया था। चारों फिलहाल बिजनौर जेल में बंद हैं।उत्तराखंड के खानपुर विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस पर हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद फार्म हाउस के केयर टेकर की ओर से दिए गए शिकायती पत्र की जांच शुरू कर दी गई है। एसपी लखन सिंह यादव का कहना है कि केयर टेकर के शिकायती पत्र के आधार पर जांच की जा रही है।केयरटेकर रामनिवास ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया था कि 22 सितंबर को उसके पास रजबपुर थाने के एसएसआई नरेशपाल राणा का फोन आया था। उन्होंने कहा था कि गृह मंत्रालय की एक जांच टीम अमरोहा आ रही है और कुछ समय के लिए फार्म हाउस में रुकेगी। इसके लिए कमरे खोलने को कहा गया था। शिकायत में राणा द्वारा फार्म हाउस की लोकेशन मांगने की बात भी कही गई थी। हसनपुर क्षेत्र में विधायक के फार्म हाउस में हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद फार्म हाउसों की जवाबदेही और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी का मुद्दा किसान युवा संसद में भी उठा। रविवार को भारतीय किसान यूनियन (संयुक्त मोर्चा) के बैनर तले आयोजित किसान युवा संसद में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने राष्ट्रीय महिला आयोग के मामले का संज्ञान लेने और जिला प्रशासन की कार्रवाई की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया।

बारिश ने जलनिकासी की खोली पोल, जान जोखिम में डालकर गुजरे लोग

जलभराव के साथ गड्ढों में तब्दील हुई सड़कें, जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर उठे सवाल-मुरादाबाद में बारिश ने जलनिकासी और सड़कों की बदहाली की पोल खोल दी है। जलभराव और गहरे गड्ढों के कारण लोगों को जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ा।बारिश ने शहर की सड़कों की बदहाली की पोल खोल दी है बारिश के बाद कई मार्गे पर जलभराव होने से सड़कें तालाब में तब्दील हो गई। वहीं पहले से मौजूद गड्ढों मे पानी भर जाने से राहगीरों को इनकी गहराई का अंदाजा नही हो पा रहा था। आवश्यक कार्य से बाहर निकलने लोगों को जान जोखिम में डालकर पानी से डूबी सड़कों से गुजरना पड़ा। इससे वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

बारिश के बाद शहर के कई इलाकों मे सड़क की हालत और खराब हो गई जगह जगह पानी और कीचड़ जमा होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत हुई। दोपहिया वाहन चालकों को गड्ढों से बचकर निकलना पड़ा। कई स्थानों पर जलभराव के कारण किनारे से निकलने के बजाय पानी के बीच से होकर निकलते हुए दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़कों की मरम्मत और जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने के कारण जर्जर सड़कों और गड्ढों के कारण हादसे का खतरा भी बना हुआ है।शहर में कई स्थान पर बाइक, स्कूटी इन गड्ढों में फंस गईं और सवार गिरकर घायल हो गए। दिल्ली रोड से लाकड़ी जाने वाले रास्ते पर कार गड्ढे में धंस गई और उसे जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया। सबसे अधिक खतरा सीवर लाइन के मैनहॉल के पास से गुजरते समय रहा, क्योंकि सबसे अधिक सड़कें वहीं धंस रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

रोडवेज बसों की छत से टपकता रहा पानी, किराया देकर भी भीगते हुए यात्रियों ने किया सफर

यात्रियों को किराया देकर भी भीगते हुए करना पड़ा सफर, खिड़कियों के शीशे बंद नहीं होने के कारण बौछारों से बढ़ी मुश्किल-मुरादाबाद में बारिश ने रोडवेज की जर्जर बसों की पोल खोल दी है। छत से पानी टपकने और खिड़कियां बंद न होने से यात्रियों को भीगते हुए सफर करना पड़ा।लगातार हो रही बारिश ने रोडवेज परिवहन निगम की जर्जर बसों की स्थिति उजागर कर दी है। निगम की खटारा बसों में सफर करने वाले यात्रियों को बारिश के दौरान भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बसों की छत और खिड़कियों से पानी टपक कर अंदर आ रहा है, जिससे यात्रियों का सफर असुविधाजनक होने के साथ-साथ जोखिम भरा भी हो गया है। रविवार को मुरादाबाद डिपो और पीतल नगरी डिपो पर खड़ी कई बसों में बारिश के दौरान बसों की छत से पानी सीटों पर गिरता मिला। कई बसों में खिड़कियों के शीशे ठीक से बंद नहीं होते, जिससे पानी अंदर भरता दिखाई दिया। बरेली से मुरादाबाद पीतल नगरी डिपो पर उतरे यात्री विपिन भारद्वाज ने बताया कि यात्रियों को सीटों पर बैठने के लिए जगह नहीं मिलती और उन्हें भीगते हुए यात्रा करनी पड़ती है। बस के फर्श पर पानी जमा होने से फिसलने का खतरा भी बना रहता है।उन्होंने बताया वह जिस बस में आए है उस बस में बरेली से मुरादाबाद तक बारिश का पानी सीधे सीटों पर गिरता रहा है। सीटें भीग जाने के बाद यात्रियों को खड़े होकर या भीगी सीटों पर बैठकर सफर करना पड़ता है। कई बार बस के अंदर जमा पानी फर्श पर फैल गया, जिससे यात्रियों के सामान और कपड़े भी खराब हो गए हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को उठानी पड़ रही है। लंबी दूरी की यात्रा में बस के अंदर पानी टपकने से यात्री ठंड और संक्रमण की चपेट में आने की आशंका जता रहे हैं। यात्रियों का आरोप है कि बसों की नियमित जांच और मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। रोडवेज बसों की जर्जर हालत यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर रही है। कई बसों के दरवाजे, खिड़कियां, सीटें और छत लंबे समय से मरम्मत की मांग कर रहे हैं। बारिश के कारण बसों में पानी भरने से चालक को भी परेशानी होती है और बस के नियंत्रण पर असर पड़ सकता है। अधिकांश बसे नई है और पानी आने की भी कोई गुंजाइश नहीं है। लेकिन लगातार हो रही बारिश में तो पानी आपे से नहीं रोका जा सकता है। बारिश से पहले सभी बसों के चेक कराया जाता है, फिर भी अनुबंधित बसों बस यदि खराब हालत में है तो उसे दिखवा कर ठीक कराया जाएगा या उस रोडवेज के ट्रैक से ऑनलाइन कर दिया जाएगा। - अनुराग यादव, सेवा प्रबंधक उत्तर प्रदेश सड़क राज्य परिवहन निगम मुरादाबाद।

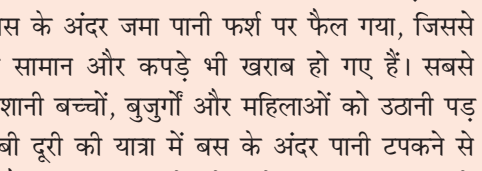

जलभराव और बिजली संकट पर अफसरों का निरीक्षण, अव्यवस्था के बावजूद नहीं हुई कोई कार्रवाई

मुरादाबाद में बारिश के बीच डीएम, एसएसपी और नगर आयुक्त ने जल निकासी और बिजली व्यवस्था का निरीक्षण किया, लेकिन लोगों की परेशानी का समाधान नहीं हो सका। शहर में जल निकासी व विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए रविवार को जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और नगर आयुक्त ने विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण किया। दिल्ली रोड स्थित बुद्धि विहार के नगर निगम सीवेज हाउस, गगन क्षेत्र के नाले और सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित विद्युत आपूर्ति उपक्रम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इतनी अव्यवस्था के बावजूद किसी पर कार्रवाई तो दूर फटकार तक नहीं लगी। यही कारण है कि अधिकारियों के निरीक्षण के बावजूद लोग परेशानी से जूझते रहे। रविवार को निरंतर हो बारिश के चलते डीएम अनुनय झा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल और नगर आयुक्त हिमांशु कौशिक ने विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण किया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सेवा संकल्प अभियान – सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत विकास खंड अमरिया में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /सुमित गुप्ता / अमरिया, पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा संकल्प अभियान एवं सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत विकास खंड सभागार, अमरिया, पीलीभीत में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।इसी क्रम में आज विकास खंड सभागार में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना है।

कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी (BDO), अमरिया एवं *ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह उर्फ श्याम सिंह द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर उन्हें पोषण किट, फल एवं स्वास्थ्य सामग्री वितरित की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आयुष्मान भारत, मिशन पोषण 2.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

मौके पर रहे प्रधान परविंदर सिंह उर्फ प्रेंस सरदार जोबन सिंह नरेश गंगवार सरदार रिंकू सिंह इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशाओं, ग्राम प्रधानों एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहे

मंडलायुक्त का सख्त एक्शन: बाढ़ राहत में लापरवाही पर नपेंगे अफसर

स्वास्थ्य और विकास कार्यों पर दी दो-टूक चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। विकास भवन सभागार में मण्डलायुक्त शम्भू कुमार की अध्यक्षता में मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर के जिलाधिकारियों समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने बाढ़ राहत, स्वास्थ्य सेवाओं और विकास योजनाओं में लापरवाही बरतने वाले विभागों को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार के सख्त निर्देश दिए।

बाढ़ व गोवंश सुरक्षा बारिश प्रभावितों तक तुरंत राहत पहुंचाई जाए। खुले में घूम रहे गोवंश के लिए शेड निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वर्तमान में बदायूं के उसहैत और चन्दनपुर तटबंध पर काम जारी है। स्वास्थ्य व संचारी रोग नियंत्रण- बरेली के मझगवां (नौरा हसनपुर) और बदायूं के जगत ब्लॉक में मलेरिया के बढ़ते मामलों पर तत्काल रोकथाम के आदेश दिए।

शाहजहांपुर में डेंगू स्क्रीनिंग बढ़ाने और जननी सुरक्षा योजना के रुके भुगतानों को जल्द निपटाने को कहा गया। आयुष्मान कार्ड व छात्रवृत्ति- %सेवा संकल्प अभियान% के तहत पात्र राशन कार्ड धारकों के आयुष्मान कार्ड तेजी से बनाए जाएं। समाज कल्याण विभाग को बदायूं में छात्रवृत्ति वितरण में प्रगति लाने का निर्देश मिला। ?खाद वितरण व राजस्व वसूली- किसानों को उर्वरक वितरण का लक्ष्य जल्द पूरा करने और सहकारिता विभाग को आरसी (RC) वसूली में तेजी लाने के निर्देश जारी किए गए। सीएम डैशबोर्ड पर सख्ती- सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में शाहजहांपुर (3 पैरामीटर), बरेली, बदायूं और पीलीभीत में डी ग्रेड वाले बिंदुओं पर अफसरों की खिंचाई करते हुए रैंकिंग तत्काल सुधारने की हिदायत दी गई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विनय कुमार गुप्ता बने व्यापारी एकता परिषद के मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष

मुरादाबाद क्यूँ न लिखूँ सच / । व्यापारी एकता परिषद ने संगठन का विस्तार करते हुए वरिष्ठ व्यापारी विनय कुमार गुप्ता को मुरादाबाद मंडल का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष राहुल वर्मा ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मंडल के व्यापारियों को संगठित करने और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य किया जाएगा। विनय कुमार गुप्ता कटघर डाकघर क्षेत्र निवासी हैं और सौर ऊर्जा तथा सेवा केंद्र से संबंधित कार्यों से जुड़े हुए हैं। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष राहुल वर्मा ने कहा कि व्यापारी एकता परिषद अराजनैतिक संगठन है। इसका उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाना तथा उनके हितों के लिए कार्य करना है। संगठन का विस्तार विभिन्न जनपदों और मंडलों में लगातार किया जा रहा है नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। मुरादाबाद मंडल के व्यापारियों को संगठन से जोड़ने के साथ ही उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इस अवसर पर व्यापारी एकता परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विनय कुमार गुप्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अग्निवीर, क्लर्क /एसकेटी भर्ती की दौड़ पांच अक्तूबर को 12 जिलों के अभ्यर्थी होंगे शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अग्निवीर क्लर्क / एसकेटी अभ्यर्थियों के लिए भर्ती रैली का आयोजन भर्ती कार्यालय लेंसडाउन की ओर से बीईजी सेंटर, रुड़की में किया जा रहा है। इसके तहत बरेली भर्ती कार्यालय के अंतर्गत आने वाले 12 जिलों के अभ्यर्थियों को पांच अक्तूबर 2026 को दौड़ के लिए बुलाया गया है। रैली में हरदोई, पीलीभीत, सीतापुर, बरेली, बहराइच, बलरामपुर, बदायूं, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, संभल, शाहजहांपुर और श्रावस्ती के अग्निवीर क्लर्क / एसकेटी अभ्यर्थी शामिल होंगे। अभ्यर्थियों को अपने एडमिट कार्ड में दर्ज तिथि, समय और रेली स्थल के अनुसार उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। अभ्यर्थियों से कहा गया है कि वे रैली अधिसूचना में निर्धारित सभी मूल दस्तावेज अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं। सेना ने भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता आधारित बताते हुए अभ्यर्थियों को दलालों, एजेंटों और बिचौलियों से दूर रहने की सलाह दी है। सेना के अनुसार भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित करने का दावा करने वाला कोई भी व्यक्ति अभ्यर्थियों को गुमराह कर सकता है, इसलिए किसी को भी पैसे न दें।

संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर ब्लॉक में हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। विकास खंड सभागार में सोमवार को संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक स्वास्थ्य विभाग और एडीओ पंचायत लोकमान सिंह ने ग्राम प्रशासकों और सफाई कर्मचारियों के साथ की। बैठक में गांवों में साफ-सफाई पर विशेष जोर देने को कहा गया। एडीओ पंचायत लोकमान सिंह ने कहा कि यदि किसी ग्राम पंचायत में छिड़काव मशीन या कचरा उठाने वाली ठेली नहीं है तो ग्राम पंचायत अधिकारी और प्रशासक जल्द व्यवस्था कराएं। सभी गांवों में नियमित फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव और नालियों की सफाई कराई जाए। सीएचसी से पहुंचे राजीव शर्मा ने बताया कि इस मौसम में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी बीमारियां मच्छरों से फैलती हैं। एक मच्छर हजारों अंडे देता है, इसलिए जलभराव न होने दें। मलेरिया की दवा सरकारी अस्पताल से ही लें और कम से कम पांच दिन तक पूरा कोर्स जरूर करें। उन्होंने बताया कि मलेरिया और चिकनगुनिया में तेज बुखार के साथ बदन दर्द होता है, जबकि डेंगू का कोई सीधा इलाज नहीं है। इसलिए बचाव ही सबसे बड़ा उपाय है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत नगर निगम व AIILSG टीम ने चलाया सघन अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। स्वच्छता ही सेवा अभियान के 12वें दिन नगर निगम और AIILSG-स्वच्छ भारत मिशन टीम ने जोन-3 के चक महमूद नगर (वार्ड-79) में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। आई.ई.सी. टीम ने नागरिकों को 3क्र यानी Reduce (कम करें), Reuse (पुनः उपयोग) और Recycle (पुनर्चक्रण) के सिद्धांत समझाए।

टीम ने अपील की कि घरों में पड़े पुराने कपड़े, जूते, खिलौने और किताबें कूड़े में फेंकने के बजाय नगर निगम के 3क्र सेंटर में दें, ताकि वे जरूरतमंदों के काम आ सकें। साथ ही सूखा और गीला कचरा अलग रखने पर जोर दिया गया। नागरिकों को सफाई संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 1533 की जानकारी दी गई। स्थानीय निवासियों ने शहर को स्वच्छ रखने के लिए 3क्र को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

दो ट्रकों में क्षमता से अधिक पशु भरने का आरोप, कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। दो ट्रकों में क्षमता से अधिक 20 गौवंशीय पशु समेत 40 पशु भरे हुए दो ट्रकों को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पकड़कर पुलिस को सौंपे है। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष रोहित गंगवार के द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है। तहरीर के मुताबिक सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे गांव धतिया में हाजी शकील की डेयरी से 20 गौवंश समेत 40 से अधिकतम पशु हाथ मुंह बांधने के बाद ठूंस ठूंसकर दो ट्रकों में भरकर ले जाया जा रहे थे।सूचना पर अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष रोहित गंगवार की अगुवाई में पहुंचे बजरंग दल जिलाध्यक्ष अमित गंगवार,विजय गंगवार,शिवा राठौर,चंद्रेश , विजय मौर्य,शिवा कश्यप आदि ने हाइवे पर शंखा नदी पुल के पास दोनो ट्रक रोक लिए।इस दौरान उनकी ट्रक चालक और उसमें बैठे कई लोगों के साथ कहासुनी हो गई।मामला हाथापाई तक पहुंचने पर पुलिस को सूचना दी गईं।कुछ देर में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार मय फोर्स के पहुंच गए।दोनो ट्रक और चालकों को कब्जे में ले लिया।रोहित गंगवार ने बताया पशुओं के पैर मुंह बंधे थे।पशुओं को ठूंस ठूंसकर भरा गया था बताया कि घटना के फोटो और वीडियो भी उनके पास मौजूद हैं। उन्होंने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत संबंधित व्यक्तियों और वाहन चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी है।पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पशु भरे ट्रक और चालक पुलिस के कब्जे में है।फतेहगंज पश्चिमी पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

महिला ने पड़ोसी पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के बसंत विहार कॉलोनी में रहने वाली एक महिला समीक्षा सिंह ने पड़ोसी युवक पर उसके पति और परिवार के साथ गाली-गलौज, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। शिकायत में महिला ने बताया कि 27 सितंबर 2026 की शाम करीब छह बजे वह अपने पति राघवेंद्र सिंह और चार वर्षीय पुत्र के साथ घर के गेट पर सफाई कर रही थी। आरोप है कि इसी दौरान आर्यन सिंह उर्फ रवि पुत्र कृष्ण पाल सिंह अपने साथी महेश गोस्वामी के साथ वहां पहुंचा और उसके पति से गाली-गलौज करने लगा। महिला के मुताबिक विरोध करने पर आरोपी ने पत्थर उठाकर उसके पति को मारने का प्रयास किया। महिला ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने पर उसे और उसके पति व बच्चे को जान से मारने की धमकी दी गई तथा गाली-गलौज और अभद्र इशारे किए गए। महिला के अनुसार उसने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। शिकायत में बताया गया कि पुलिस के मौके पर पहुंचने तक आरोपी वहां से फरार हो गया। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी पूर्व में भी उसके पति के साथ कई बार गाली-गलौज और मारपीट कर चुका है तथा उसके चार वर्षीय बच्चे को स्कूल ले जाते समय रास्ता रोककर अभद्र बातें व इशारे करता है। उसने पुलिस से आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और भविष्य में अपने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। यह शिकायत 28 सितंबर 2026 को पुलिस के समक्ष दी गई है। आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

युवा कांग्रेस कार्यकारिणी बैठक: लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश पश्चिम युवा कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सोमवार को ग्रीन हवेली में प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पश्चिमी यूपी के 26 जिलों के जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा युवाओं की प्राथमिकता- कुणाल चौधरी मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय सचिव व सह-प्रभारी कुणाल चौधरी ने कहा कि आज युवाओं के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता के सवाल लगातार उठा रहे हैं। जब तक उठाए गए सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं मिलते, कांग्रेस का शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। ?मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता- पारस शुक्ला- प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला ने सभी कार्यकर्ताओं से लोकतांत्रिक मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला ने निष्पक्ष चुनाव के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद महेश पंडित ने किया। गांधी प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन व पुतला दहन-बैठक के बाद युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वोट चोरी के आरोपों की निष्पक्ष जांच और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला और प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। ?कार्यक्रम में शयान खान, अफसार खान, राम जी अवस्थी, अंसार अब्बासी, गौतम सेरोदिया, ताबिश हसन और मुजाहिद हसन खान सहित कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य मेले से लेकर वृक्षारोपण तक, विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने दिलाया सेवा का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी / सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा उपस्थित रहे। अभियान के तहत स्वास्थ्य मेले के साथ सफाई अभियान, मरीजों को फल वितरण तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वास्थ्य मेले में मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं एवं आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया गया। इसके बाद परिसर में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। विधायक डॉ. डीसी वर्मा एवं चिकित्सक प्रभारी संचित शर्मा ने मरीजों को फल वितरित कर उनका हालचाल जाना और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान सीएचसी परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। विधायक ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा के साथ स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस मौके पर डॉ.राजीव शर्मा , फार्मासिस्ट राजेंद्र मेहरा , डॉ मयंक सागर , डॉ ऋषभ , डॉ दीपाली , हलेंद्र कुमार,जिला मंत्री संजय चौहान, तेजपाल फौजी, मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, बबलू गंगवार सहित मौजूद रहे।

खामोश हुई जन-संघर्षों को बुलंद करने वाली आवाज, नहीं रहे डॉ. राकेश "रफीक"

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । नगर के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, लेखक और विभिन्न जन आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले 67 वर्षीय डॉ. राकेश रफीक का बीमारी के चलते दिल्ली में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही बिलारी सहित मुरादाबाद और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। शाहबाद रोड स्थित उनके आवास पर विभिन्न वर्गों के लोगों का तांता लगा रहा। लोगों ने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साथ बिताए सामाजिक संघर्षों के दिनों को याद किया। डॉ. राकेश रफीक के निधन पर उनके आवास पर जुटी भीड़ में सबसे अधिक चर्चा उनके चार दशक से अधिक लंबे सामाजिक और जनसरोकारों से जुड़े जीवन की रही। उन्हें ऐसे सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में याद किया गया, जिन्होंने शिक्षा और लेखन के साथ-साथ जनहित के आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। डॉ. राकेश रफीक का जुड़ाव जेपी आंदोलन से शुरू हुआ था। बाद में वह भारतीय किसान यूनियन, नर्मदा बचाओ आंदोलन और अन्य जन आंदोलनों से जुड़े। वर्ष 2012 में टीम अन्ना से जुड़े। दिल्ली में अन्ना हजारे के आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में एक प्रमुख थे। मेधा पाटकर के साथ काम करने और स्वामी रामदेव से निकटता भी उनके सामाजिक आंदोलन की गतिविधियों में शामिल है। भूमि अधिग्रहण के सवाल पर भी डॉ. राकेश रफीक सक्रिय रहे। वर्ष 2015 में भूमि अधिग्रहण विधेयक के विरोध में आयोजित बैठकों में मेधा पाटकर, डॉ. राकेश रफीक सहित विभिन्न जन संगठनों के प्रतिनिधियों की भागीदारी का उल्लेखनीय है।

पिछले वर्षों में बिलारी की स्थानीय समस्याओं को लेकर भी डॉ. राकेश रफीक लगातार सक्रिय दिखाई दिए। नागरिक परिषद बिलारी के माध्यम से उन्होंने जलभराव, जल निकासी, तालाबों, नगर पालिका की भूमि और आयुष चिकित्सालय की भूमि जैसे मुद्दों को उठाया। मई 2025 में नगर की जल निकासी समस्या को लेकर आयोजित बैठक में उन्होंने पुराने जल निकासी मार्गों को खोजकर समस्या का समाधान करने की आवश्यकता बताई थी। उन्होंने बताया था कि पुराने समय में बिलारी का पानी क हरौरा और रोजा होते हुए धर्मपुर की ओर जाता था और पुराने जलमार्गों को पुनर्जीवित करने पर विचार होना चाहिए। नगर की समस्याओं को लेकर वह प्रशासन और पालिका अधिकारियों के समक्ष भी लगातार आवाज उठाते रहे। सितंबर 2026 में नागरिक परिषद के प्रतिनिधिमंडल में उन्होंने पालिकाध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी के सामने नगर की विभिन्न समस्याएं रखी थीं।आयुष चिकित्सालय की भूमि को सुरक्षित कराने की मांग को लेकर गठित संघर्ष समिति में भी उनका नाम प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं में रहा। वर्ष 2024 में इस मामले में एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में डॉ. राकेश रफीक सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकारी भूमि को सुरक्षित कराने और चिकित्सालय निर्माण की मांग उठाई थी। डॉ. राकेश रफीक केवल आंदोलनकारी और सामाजिक कार्यकर्ता ही नहीं थे, बल्कि शिक्षा, दर्शन और लेखन के क्षेत्र में भी उनकी पहचान रही। डॉ. राकेश रफीक ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पीएचडी की थी और केजीके महाविद्यालय, मुरादाबाद में अध्यापन से जुड़े रहे। उन्होंने गांधी विद्या संस्थान, बनारस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई तथा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के अंतर्गत शोध कार्य भी किया। उनकी पुस्तक महात्मा गांधी = एक शिक्षा दार्शनिक के विवरण के अनुसार भारत राष्ट्र संकट और समाधान तथा क्लासिकल फाउंडेशन ऑफ मार्क्सिज्म जैसी पुस्तकें भी उन्होंने लिखी है। बालिकाओं के लिए निशुल्क पुस्तकालय की स्थापना में डॉ. राकेश रफीक और उनके परिवार की भूमिका की सराहना की जाती है। डॉ. राकेश रफीक के परिवार में उनकी दो बेटियां हैं। डॉ. झरना चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़ी हैं, जबकि दूसरी बेटी तराना सक्सेना पायलट हैं। परिवार के लिए उनका निधन अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।उनके निधन की खबर से बिलारी के सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक और व्यापारिक क्षेत्रों में शोक व्याप्त है। लोगों का कहना है कि डॉ. राकेश रफीक ने वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर विभिन्न सामाजिक समूहों के साथ काम किया और जनहित के मुद्दों को निरंतर उठाते रहे। शाहबाद रोड स्थित आवास पर श्रद्धांजलि देने वालों में अशोक सिरोही, कसीम आजाद, आसिफ कमल एडवोकेट, सुनील सौरभ, कामरेड भगवान दास शर्मा, मुशर्रफ हुसैन मुरादाबाद, योगी कुमार प्रदीप, मुन्ना श्रोत्रिय, जगत नारायण शर्मा, रवि सिंह, भाजपा नेता ऋषिपाल सिंह, पूर्व एमएलसी चंद्रपाल सिंह, सुरेश सैनी, डॉ विश्वास शर्मा, अचिंत कुमार मुन्ना, भाकियू नेता हरपाल सिंह, चौधरी महक सिंह, भयराज सिंह, प्रेम कुमार, विधायक मोहम्मद फहीम इरफान, पालिकाध्यक्ष रघुराज सिंह यादव, जिला पंचायत सदस्य विश्वास यादव उर्फ लवली यादव, राकेश जैन, डॉ. तिलक राज आहूजा, लटूरी सिंह, तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आफाक हुसैन एडवोकेट, देशराज यादव, डंबर सिंह, पूर्व सभासद सुबहान अली, सामाजिक कार्यकर्ता संजय सक्सेना, चौधरी हुकुम सिंह, मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, शिवेंद्र सक्सेना, अब्दुल कुद्दूस, पंकज शर्मा, संजीव त्यागी, सेवानिवृत्त एसडीएम कामरेड जयपाल सिंह यादव, कामरेड मुन्नालाल, कामरेड कोकाराम यादव चंदौसी, रविंद्र सिंह, सभासद देवेश शर्मा, सभासद आशीष शंकर पांडे, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जैन, रघुनाथ सक्सेना, राकेश चंद्रा, राम अवतार सिंह, मोहम्मद कासिम अंसारी, डा चरन सिंह, यूनुस रजा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। लोगों ने कहा कि छात्र युवा संघर्ष वाहिनी के माध्यम से उन्होंने छात्रों और युवाओं में चेतना जागृत की। डॉ. राकेश रफीक का जीवन सामाजिक सरोकारों, शिक्षा, जन-जागरूकता और विभिन्न जन-संघर्षों से जुड़ा रहा। जेपी आंदोलन से लेकर अन्ना आंदोलन, किसान आंदोलनों, नर्मदा बचाओ आंदोलन और भूमि अधिग्रहण के सवालों तक उनकी सक्रियता को उनके साथियों ने याद किया। उनके निधन को सामाजिक क्षेत्र की बड़ी क्षति बताते हुए लोगों ने कहा कि शिक्षा, समाजसेवा और जनहित के लिए किए गए उनके कार्य लंबे समय तक याद किए जाएंगे। परिजनों और शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

संक्षिप्त समाचार

फरमान के नाम से कैपिटल रोड पर खुली मोबाइल की शॉप

क्यूँ न लिखूँ सच / सैयद सिकंदर राजा/मुरादाबाद के लोगों के लिए मोबाइल और मोबाइल एक्सेसरीज से जुड़ी एक नई सुविधा की शुरुआत हो चुकी है। सोमवार को दोपहर 12 बजे मुरादाबाद में Farman Communication का भव्य शुभारंभ किया गया। फलाह-ए-दरैन इंटर कॉलेज के सामने शुरू हुए इस नए मोबाइल शॉप की ओपनिंग के मौके पर परिवार, दोस्तों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही। Farman Communication पर ग्राहकों को एक ही जगह पर नए मोबाइल फोन, सेकंड हैंड मोबाइल, मोबाइल रिपेयरिंग, रिचार्ज और मोबाइल एक्सेसरीज की सुविधा मिलेगी। कई प्रमुख ब्रांड के मोबाइल उपलब्ध होंगे। साथ ही कवर, चार्जर, ईयरफोन और दूसरी जरूरी एक्सेसरीज भी मिलेंगी। दुकान संचालक का कहना है कि बेहतर कीमत और अच्छी सर्विस के साथ ग्राहकों का भरोसा जीतना उनका मुख्य उद्देश्य है। अगर आप भी नया मोबाइल लेने, पुराना मोबाइल बदलने या मोबाइल रिपेयर कराने की सोच रहे हैं, तो एक बार Farman Communication जरूर विजिट कर सकते हैं।

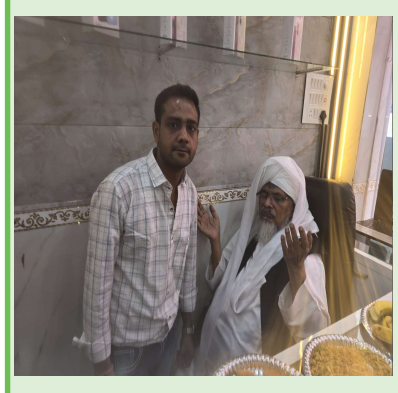

प्रमुख सचिव जेल श्री मुकेश चन्द गुप्ता ने किया जिला जेल विदिशा का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जेल विभाग के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चन्द गुप्ता ने 26 सितम्बर को जिला जेल विदिशा का भ्रमण कर जेल की सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान केन्द्रीय जेल भोपाल के अधीक्षक भी उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था, CCTV निगरानी प्रणाली, बंदियों की ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (VC) के माध्यम से न्यायालयीन पेशी, जेल में प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित परिसर में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जेल प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं बंदियों से संबंधित व्यवस्थाओं के संचालन की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। सीसीटीवी एवं ऑनलाइन वीसी व्यवस्था की समीक्षा - प्रमुख सचिव ने जेल परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, उनके कवरेज तथा निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों की न्यायालयीन पेशी के लिए संचालित ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। वीसी पेशी के सुचारू संचालन के लिए उपलब्ध कंप्यूटर, नेटवर्क एवं अन्य तकनीकी संसाधनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था में तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग महत्वपूर्ण है। ष्टष्ट्रङ्क निगरानी व्यवस्था को सतत सक्रिय एवं प्रभावी बनाए रखने के साथ ही ऑनलाइन न्यायालयीन कार्यवाही के संचालन में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सुरक्षा व्यवस्था में सतर्कता के निर्देश-प्रमुख सचिव श्री गुप्ता ने जेल प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था में निरंतर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित जेल परिसर में निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बंदियों के लिए निर्धारित व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का भी प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ओवरक्राउडिंग को देखते हुए नवीन जेल भवन के लिए भूमि चयन के निर्देश निरीक्षण के दौरान जिला जेल विदिशा में ओवरक्राउडिंग की समस्या को भी संज्ञान में लिया गया। प्रमुख सचिव श्री मुकेश चन्द गुप्ता ने विदिशा में नवीन जेल भवन के निर्माण के लिए उपयुक्त शासकीय भूमि के चयन एवं आवंटन की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भूमि चयन की प्रक्रिया में आवश्यक समन्वय करते हुए आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। प्रमुख सचिव के भ्रमण के दौरान जेल प्रशासन द्वारा वर्तमान व्यवस्थाओं, सुरक्षा इंतजामों तथा बंदियों से संबंधित सुविधाओं की जानकारी दी गई। निरीक्षण का उद्देश्य जेल की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा बंदियों से संबंधित व्यवस्थाओं को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाना रहा।

तेवरखास में मकान गिरने से महिला घायल, धूप खिलने से राहत

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । सोमवार की दो बहन बरसात रुकने और धूप खिलने से जन मानस में राहत की सांस ली क्योंकि लगातार वर्षा से गीले कपड़े सूख नहीं पा रहे थे और जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया था।

लगातार हुई बरसात से जहां पक्की छतों में भी पानी टपकने लगा, अन्यथा सीलन तो आ ही गई थी। इधर धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है इसको लेकर किसान चिंतित हैं। वहीं क्षेत्र के तेवरखास गांव में रात के समय नन्हे प्रजापति के मकान की छत गिर गई. गनीमत यह रही कोई जनहानि नहीं हुई। पत्नी प्रेमवती के पैर में चोट लग गई। प्रेमवती का कहना है जल्दी ही मकान से बाहर नहीं निकलते तो दुर्घटना हो सकती थी.। कच्चे मकान के सामने बरसात से बचने के लिए पन्नी डाल रखी है.। तेवर खास गांव निवासी इकराम की छत भी गिर गई इनका मकान भी जर्जर हालत में है। उनका कहना है अब भी जिस मकान में रह रहे हैं उसकी छत भी बरसात में टपक रही है। पीड़ितों ने ग्राम प्रधान को लिखकर सूचना दे दी है। दोनों पीड़ितों ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है.।

आंगनबाड़ी केंद्र नग़लिया जट में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र नग़लिया जट पर स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं शारीरिक विकास के प्रति अभिभावकों और समुदाय को जागरूक करना रहा।

स्पर्धा के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित विभिन्न मानकों का अवलोकन किया गया। स्वस्थ एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा पुरस्कार स्वरूप टिफिन वितरित किए गए। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा अभिभावकों को बच्चों के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता तथा नियमित स्वास्थ्य एवं वृद्धि की निगरानी के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों के स्वस्थ एवं सर्वांगीण विकास के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं अभिभावकों की सहभागिता रही। स्पर्धा के आयोजन से बच्चों में उत्साह और स्वस्थ रहने के प्रति जागरूकता बढ़ी। इस अवसर पर मुख्य सेविका शिव कुमारी, सविता, बबिता, चारुल आशा, मोनिका,सोनिका ब्लॉक समन्वयक अतुल शर्मा व समस्त सेक्टर स्तरीय कार्यकत्रियां रहीं।

स्वास्थ्य शिविर में किया 200 श्रमिकों का परीक्षण, 46 को मिले चश्मे, सरकार का सेवा संकल्प अभियान

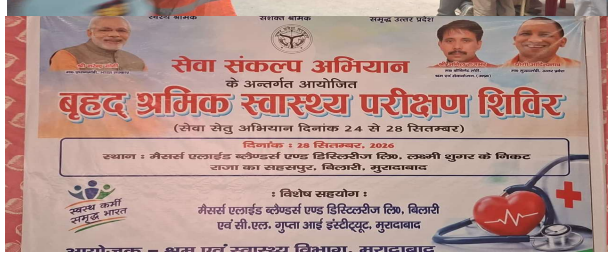

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 24 से 28 सितंबर तक चलाए जा रहे सेवा सेतु अभियान में स्वास्थ्य का आयोजन एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टलरी लिमिटेड राजा का सहसपुर में श्रम एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर लगाकर 200 निर्माण श्रमिकों का स्वास्थ्य और नेत्र परीक्षण कराया गया तथा 46 श्रमिकों को मौके पर ही चश्मे उपलब्ध कराये गये। शिविर में डिस्टलरी और सीएल गुप्ता आई इंस्टिट्यूट का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान सरकार का मंशा बताते हुए श्रम प्रवर्तन अधिकारी केपी सिंह ने कहा कि स्वस्थ कर्मी से ही समृद्ध भारत बनेगा, इस संकल्प के अंतर्गत श्रमिक स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन सरकार की ओर से कराया गया है। शिविर के दौरान श्रमिकों ने सरकार के इस कार्यक्रम पर संतोष व्यक्त किया।

विश्व हृदय दिवस मनाया

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच । विद्या भारती से संबंध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश ग्राम भारती पिलखुआ हापुर ग्रामीण शिक्षा अंतर्गत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर रामपुर वंदना सभा के पश्चात वंदना स्थल पर ही श्यामपट्ट पर हृदय का सुंदर चित्र बनाकर जीव विज्ञान प्रवक्ता श्रीमती सुनीता रानी मौर्य ने विधिवत हृदय के मानव शरीर एवं जानवर तथा पर्यावरण में हृदय कितना महत्वपूर्ण कार्य करता है इसके विषय में विस्तार से बताया हृदय की संरचना हृदय का रखरखाव एवं हृदय के मानव शरीर में रक्त संचार के बारे में हृदय से संबंधित जुड़े हुए प्रत्येक छोटे-छोटे अंगों के विषय में समझाते हुए बताया इस अवसर पर प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने हृदय को सुरक्षित रखने के लिए हमें अपना नित्य प्रति खान-पान शुद्ध एवं सात्विक रखना चाहिए शुद्ध खान-पान से हृदय एवं पूरा शरीर के सभी अंग सुरक्षित एवं व्यवस्थित कार्य करेंगे खराब तेल एवं तेज मसाले के खाद्य पदार्थ का अत्यधिक सेवन करने से एवं बाजारों में खुले में बिक रहे अशुद्ध तेल की जहर युक्त पकौड़ी एवं खुली मिठाइयां जिस पर धूल गंदगी मच्छर बैठ हूं इसका सेवन नहीं करना चाहिए चाइनीस नाश्ता जैसे चौमिन पिज़्ज़ा बर्गर एवं जंक फूड लंबे समय का बनाया गया एवं पैक कुरकुरे चिप्स नमकीन कोल्ड ड्रिंक खराब मिठाइयां ब्रेड फफूदी लगा हुआ भोजन का सेवन करने से प्रत्येक अंग प्रभावित होगा जिसमें हृदय सबसे अधिक प्रभावित होगा हृदय रोगी को अपनी विशेष देखभाल करना चाहिए खानपान निश्चित रखना चाहिए प्रतिदिन सुबह शाम टहलना जरूरी है एवं नियमित योग व्यायाम भी करें किसी भी प्रकार के नशा से दूर रहे धूम्रपान शराब आदि का सेवन बिलकुल भी ना करें आयुर्वेद में अर्जुन का चूर्ण अर्जुनारिष्ट एवं अर्जुन की छाल का काढ़ा बनाकर जरूर सेवन करें इससे स्वस्थ रहेगा अत्यधिक चिंता ना करें सोने से भी हृदय पर जोर पड़ता है कार्यक्रम में ब्रजकिशोर मौर्य उमेश कुमार अंजलि मौर्य धर्मेंद्र कुमार गौरव सिंह संजय सिंह दिलीप कुमार प्रकाश बाबू प्रेमपाल नरोत्तम सिंह मौर्य विजेंद्र सिंह अनिल कुमार सुनील कुमार विनीता एवं पूजा टैगोर ने सहयोग किया प्रधानाचार्य ने हृदय से संबंधित भैया बहनों से प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी किया जिसका भैया बहनों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक उत्तर दिया उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा सभी भैया वहां 29 सितंबर 2026 को पोस्टर प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित होगी

सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा की अध्यक्षता में लगी ग्राम चौपाल, ग्रामीणों की समस्याओं और गांव के विकास पर हुआ सीधा संवाद

क्यूँ न लिखूँ सच /सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे विभिन्न जनसंपर्क एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की कड़ी में सोमवार को विकासखंड डकोर के ग्राम धंगवां कला में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल की अध्यक्षता सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने की।

ग्राम चौपाल में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और गांव में संचालित विकास कार्यों की जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा कहा गया कि सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, आवास, पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित किया गया है और संबंधित विषयों को भी रखा गया, जिस पर संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक जानकारी एवं समाधान की प्रक्रिया से अवगत कराया। सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को उनके गांव में ही सुनना और उनका यथासंभव समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी ग्रामीणों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखते हुए विकास कार्यों को गति देने के लिए कार्य कर रहे हैं। चौपाल में ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों की योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ उठाने तथा गांव के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर जनसंवाद, जनसेवा और विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रामभक्ति के रंग में रंगा अग्रसेन महाविद्यालय: 28वें स्थापना दिवस पर गूंजे सुंदरकांड के सुर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के 28वें स्थापना दिवस पर प्रांगण स्थित श्री राम मंदिर में भक्ति और उल्लास का माहौल रहा। विश्व शांति एवं समृद्धि की कामना के साथ श्री रामायण संकीर्तन मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं संकीर्तन की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा परिसर राममय हो गया। इस पावन अवसर पर शिक्षा विभाग के प्रवक्ता डॉ. संजीव कुमार सक्सेना को विद्या वाचस्पति (पी.एच.डी) की उपाधि प्राप्त होने पर प्रबंध समिति द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समिति के

अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल (फन सिटी), महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), दिनेश अग्रवाल, सुधांशु अग्रवाल, डॉ. नुपूर गोयल, प्रीती अग्रवाल, निदेशक डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्यों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने पूजा-अर्चना कर प्रभु श्री राम का आशीर्वाद लिया।

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली में शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत विभिन्न जन-जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री जी के दीर्घकालीन सार्वजनिक सेवाकाल से जुड़ी जनकल्याणकारी पहलों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने तथा नागरिकों को विकसित भारत 2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा 'नमो सेवा-अनकही कहानियाँ' कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। नाटक के मंचन में विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र एवं कल्चरल क्लब के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने अभिनय, संवाद एवं प्रस्तुति के माध्यम से विषय को प्रभावशाली ढंग से दर्शाते हुए जन-जागरूकता का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं दर्शकों को महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर तथा उस समय किए गए विभिन्न प्रयासों के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता और सामूहिक उत्तरदायित्व का संदेश भी दिया। इस विषयक माननीय कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय जी ने कहा कि नुक्कड़ नाटक जन-जागरूकता का अत्यंत प्रभावी

माध्यम है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा रचनात्मक माध्यम से जनकल्याणकारी पहलों को समाज तक पहुँचाने का यह प्रयास सराहनीय है। युवाओं की सक्रिय सहभागिता उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ती है।

विकसित भारत-2047 का संकल्प केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक भागीदारी से पूर्ण होने वाला राष्ट्रीय संकल्प है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मकता के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कुलपति जी ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रभावी मंचन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, सामाजिक चेतना एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को विकसित करने वाली गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाएगा। सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय ने बताया कि नमो सेवा-अनकही कहानियाँ' कार्यक्रम के अंतर्गत शासन द्वारा रिकॉर्डेड प्ले एवं ऑडियो सामग्री उपलब्ध करवाई गई हैं । उसी में से एक स्क्रिप्ट का चयन करके नुक्कड़ नाटक तैयार करवाया गया और इसका प्रभावी मंचन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान भारत सरकार द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों एवं उठाए गए कदमों को रचनात्मक एवं संवादात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया। गतिविधि के आयोजन में कुलसचिव महेंद्र कुमार सिंह, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय , विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र एवं कल्चरल क्लब के विद्यार्थियों तथा सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। नुक्कड़ नाटक में लवी , प्रशांत, राघव , अक्षिता, अंशिका, दिव्यांश, प्रगति एवं अन्य विद्यार्थियों/ सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित यह गतिविधि विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति सहभागिता की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रही।

ग्राम पंचायत भवनों की दीवारों पर प्रदर्शित होंगी पंजीयन शुल्क की दरें

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान नागरिकों को शासकीय सेवाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट और पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंजीयक को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्रामों में आयोजित किए जा रहे शिविरों के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंजीयन शुल्क की दरों को प्रमुखता से प्रदर्शित कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि ग्राम पंचायत भवन की ऐसी दीवार अथवा सार्वजनिक स्थल का चयन किया जाए, जहां ग्रामीणों की सहज नजर पहुंचे। वहां जमीन, मकान एवं अन्य संपत्तियों के पंजीयन से संबंधित निर्धारित शुल्क एवं दरों की जानकारी स्पष्ट एवं सरल भाषा में प्रदर्शित की जाए। इसका उद्देश्य ग्रामीणजनों को रजिस्ट्री प्रक्रिया में देय शुल्क की वास्तविक जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि वे किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति से बच सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में पंजीयन शुल्क की दरों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए जाने से नागरिकों को संपत्ति पंजीयन के समय निर्धारित शुल्क की जानकारी पहले से उपलब्ध रहेगी और वे अपनी आवश्यकतानुसार जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। निकायों के वार्डों में भी हो व्यवस्था-कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने निर्देश दिए कि इसी प्रकार की व्यवस्था नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में भी क्रियान्वित की जाए। वार्डों में ऐसे सार्वजनिक स्थानों का चयन कर पंजीयन शुल्क की अद्यतन दरों को प्रदर्शित किया जाए, जहां आम नागरिक आसानी से जानकारी देख सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदर्शित की जाने वाली जानकारी अद्यतन, स्पष्ट, पठनीय और आमजन के लिए सरल हो। शुल्क दरों में परिवर्तन होने की स्थिति में प्रदर्शित जानकारी को भी तत्काल अद्यतन कराया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि शासन की सेवाओं और निर्धारित शुल्क संबंधी जानकारी नागरिकों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने से पारदर्शिता, जागरूकता और जनविश्वास को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत इस प्रकार की जनहितकारी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

शिवपुरी में 340 आपदा मित्र प्रशिक्षित, 500 का लक्ष्य; प्राकृतिक आपदाओं से निपटने का दिया प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में जिले में आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से 500 आपदा मित्र तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में अब तक आयोजित दो प्रशिक्षण बैचों में 340 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण का प्रथम बैच 30 अगस्त से 5 सितंबर 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें 170 प्रशिक्षणार्थियों ने

भाग लिया। वहीं द्वितीय बैच 22 से 28 सितंबर 2026 तक आयोजित हुआ, जिसमें 170 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया तथा विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट कलेक्टर शिवपुरी अनुराग सर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान आपदा मित्रों को आपदा प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं के साथ भूकंप, बाढ़, भूस्खलन, सुनामी, चक्रवात, बादल फटना, सूखा, लू, शीतलहर, अग्नि सुरक्षा, ष्टस्स्क्र, स्न्नक्र, ष्टक्क्र तथा ष्टक्क्रह जैसी प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण को केवल सैद्धांतिक न रखकर व्यावहारिक एवं बचाव-केंद्रित बनाया गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रशिक्षित आपदा मित्र प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर प्रभावित लोगों की सहायता कर सकें। जिला प्रशासन का लक्ष्य शेष प्रशिक्षण पूरा कर जिले में निर्धारित 500 आपदा मित्रों की टीम तैयार करना है।

संक्षिप्त समाचार

दिशा पाटनी की फौजी बहन की दो-टूक : बेटियां उठाएं एयर पिस्टल, खुद करें हिफाजत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन पूर्व सैन्य अफसर खुशबू पाटनी ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बिहार के जमुई में छात्रा के साथ हुई दरिंदगी से आहत खुशबू ने लड़कियों को दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय खुद अपनी ढाल बनने की सलाह दी है। एक वीडियो में हाथ में एयर पिस्टल लेकर उसका इस्तेमाल सिखाते हुए खुशबू ने साफ किया कि आपात स्थिति से निपटने के लिए बेटियों को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होना ही पड़ेगा। उन्होंने जोर दिया कि एयर पिस्टल की ट्रेंनिंग लेने से लड़कियों में आत्मरक्षा का हुनर और आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे वे किसी भी सिरफिरे को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम होंगी।

सुधांशु महाराज के सत्संग से पहले भक्तिमय हुई बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विश्व जागृति मिशन बरेली मंडल द्वारा 7 से 10 अक्टूबर तक बी.बी.एल. इंटर कॉलेज मैदान में सनातन संस्कृति सत्संग का भव्य आयोजन होने जा रहा है, जिसमें पूज्य सुधांशु महाराज श्रद्धालुओं को अपने दिव्य प्रवचनों से निहाल करेंगे। सत्संग के प्रचार-प्रसार के उपलक्ष्य में सोमवार को साहूकारा (नूतन मिश्रा के निवास) से प्रभात फेरी निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कथा संयोजक संजय गर्ग, संदीप मेहरा और महिला प्रधान ममता गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। भजनों की मधुर धुनों पर थिरकते श्रद्धालुओं का जगह-जगह जोरदार स्वागत हुआ। यह प्रभात फेरी कटरा मानराय स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई, जहां मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी का सत्कार किया। आयोजन में विजय अग्रवाल, डॉ. जितेंद्र शर्मा, वेद अरोड़ा, नूतन मिश्रा, आर.बी. सिंह सहित मिशन के कई प्रमुख सदस्य सक्रिय रहे। मिशन के शुभम सिंह ने बताया कि प्रचार का यह सिलसिला जारी रहेगा। अगली प्रभात फेरी मंगलवार, 29 सितंबर को सुबह 7-00 बजे सिंधु नगर मंदिर से शुरू होकर 8-30 बजे श्री सीताराम मंदिर पहुंचेगी।

संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर होगा वृद्धजन सम्मान समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। रघुवंशी समाज धर्मशाला में बैठक में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर को वृद्धजनों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम शाम 5 बजे रघुवंशी धर्मशाला, बस स्टैंड, विदिशा में होगा। इसमें रघुवंशी समाज के वयोवृद्धजनों का सम्मान किया जाएगा और उनके जीवन अनुभव, संघर्ष व संस्कारों से नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का प्रयास किया जाएगा। रघुवंशी समाज जिला विदिशा के अध्यक्ष मोहर सिंह रघुवंशी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर हर वर्ष 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाता है। इसी अवसर पर समाज की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें वरिष्ठजनों के सम्मान के साथ नशामुक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना मजबूत करना और उनके अनुभव व संस्कार नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। इसके साथ सामाजिक एकता और सामूहिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने वाले वरिष्ठजनों से आवश्यक प्रक्रिया के लिए आधार कार्ड की प्रति जमा कराने का आग्रह किया गया है। आधार कार्ड की प्रति विशाल इंटरप्राइज़ेज़ किरी मोहल्ला राजाराम रघुवंशी, घूँघट घुँघरू ज्वेलर्स,तिलक चौक हीरालाल रघुवंशी और रघु ज्वेलर्स खरी फाटक रोड मोहर सिंह रघुवंशी के पास दिनांक 30 सितम्बर समय शाम 4 बजे तक जमा कराए

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Mosquito-borne disease: When does malaria become fatal? Learn what to do to prevent it in advance.

Malaria is a serious mosquito-borne disease that requires timely identification and treatment. Common symptoms include fever, chills, and shivering. Protecting yourself from mosquitoes, avoiding waterlogging, and getting tested if symptoms appear are essential. Malaria is a deadly disease caused by the bite of female Anopheles mosquitoes. These mosquitoes typically thrive during the rainy season. They carry the Plasmodium parasite, which enters the bloodstream after a mosquito bite. They typically bite in the evening. Health experts say it's crucial for everyone to continue taking preventive measures against malaria. Malaria is a dangerous disease that kills many people every year. World Malaria Day is celebrated every year on April 25th to promote malaria prevention and control. Its symptoms can vary from person to person, and the risk of developing malaria can increase if proper treatment is not promptly received. This article will explain how to prevent malaria. Risks of Malaria - Malaria fever can be fatal for people with diabetes, cancer, and HIV, as well as for children. Therefore, take medication only after consulting a doctor. These diseases weaken the immune system. Malaria can be fatal for HIV-infected patients and can be harmful to the developing brain of adolescents. A parasite called Plasmodium can enter the body through the bloodstream and cause serious problems. This can be detrimental to the brain. What to do if you have malaria? If you suffer from this disease, you should consume more foods rich in micronutrients. Drink fresh fruit juice, coconut water, and glucose water. These fluids help eliminate toxins from the body through urine and feces. This increases the chances of faster recovery. Turmeric can also be beneficial, it has antioxidant and antimicrobial properties, which remove harmful substances. However, first of all you should get yourself examined by a doctor and take the prescribed medicine. Measures to prevent malaria- Generally, malaria mosquitoes breed in stagnant water for a long time, hence once a week, dry the water tank, earthen pot, cooler and then fill it with clean water again. This reduces the chances of mosquito breeding. At the same time, insecticides like DDT should be sprayed inside the houses. DDT (''Dichloro-diphenyl-trichloroethane) can help in destroying mosquitoes. Do not let water accumulate in pits, drains, water tanks and flower pots around you. Keep the cooking areas clean as well. From time to time, get Temophos medicine poured in the drains to prevent mosquitoes. Sometimes water cannot be prevented from accumulating at some places, in such a case, sprinkle kerosene or burnt oil (Mobil oil) at that place. Malaria mosquitoes bite mostly in the evening. During this time, it can be prevented by covering most of the body. If it is raining, do not let rainwater accumulate. There is a high risk of malaria bacteria breeding in it.

Why do small pimples suddenly appear on your face? Learn the reason behind it.

If you suddenly notice small pimples on your face, first determine the cause. Once you've identified the cause, diagnose them as needed. Sudden small pimples can be quite distressing. People often dismiss them as simple pimples, but if this problem recurs or persists for a long time, it's important to understand the underlying cause. Facial skin is very sensitive, and any changes to it can be linked to a variety of factors. Therefore, using any cream or home remedy without prior knowledge is not advisable. Why do small pimples suddenly appear on your face, and when should you be cautious about them? Let's learn more about this in this article and understand what to consider when such pimples appear on the face. Causes of sudden small pimples on the face: Excessive oil and clogged pores: Increased sebum production in the skin, combined with dead skin cells, can clog pores, resulting in the appearance of small bumps or pimples. Sweat and heat: Excessive sweating in hot weather can cause small pimples on the skin. Prolonged sweating can increase irritation and bumps. New skin care products: If you suddenly start to develop a rash after using a new face cream, sunscreen, makeup, or hair product, it could be a skin reaction or clogged pores from an ingredient in the product. Hormonal changes: During hormonal changes, oil production can increase, which can cause acne or small pimples, especially on certain parts of the face. Allergies or skin irritations: Small red pimples, itching, or burning may occur after coming into contact with a cosmetic, soap, detergent, or other substance. Folliculitis: Inflammation of the hair follicles can cause small, red, pimple-like bumps. In some cases, they may also be itchy or sensitive. When to consult a doctor? If facial bumps are spreading rapidly, causing severe pain or itching, oozing pus, swelling, or recurring, it's advisable to consult a dermatologist. Repeatedly squeezing bumps or applying different creams without knowing the cause can increase skin irritation. Take care of your skin: Avoid excessive scrubbing and use a mild cleanser appropriate for your skin type. Cleanse your face after sweating, and pay attention to the ingredients before using new cosmetics or skincare products. Avoid repeatedly touching or popping bumps.

14% increased risk of serious illness: 100 grams more ultra-processed food per day is harmful to the heart, even increasing the risk of death

The risk of serious illness has increased by 14%. Every 100 grams more ultra-processed food per day is harmful to the heart. The risk of high blood pressure, cancer, and premature death also increases. Chips, instant noodles, sugary drinks, packaged snacks, and ready-to-eat meals have become a part of today's busy lifestyle. They require less preparation time and are considered convenient options due to their long shelf life. However, new research has raised concerns about the potential health impacts of increasing consumption of these foods. A comprehensive analysis of 51 studies involving approximately 8.82 million people found that increasing daily ultra-processed food intake was associated with a 14% increased risk of serious cardiovascular events. This same additional intake was associated with an 11% increased risk of high blood pressure, a 4% increased risk of cancer, and a 3% increased risk of death from any cause. A 2% increased risk of metabolic syndrome or diabetes was also associated. This research was published in BMJ Family Medicine & Community Health. Analysis of data from 51 studies and 8.82 million people: Researchers analyzed data from 51 studies conducted in the Americas, Europe, Asia, and Oceania. Participants ranged in age from 23 to 77 years. Participants' health and eating habits were monitored for 2 to 32 years. The study aimed to understand the relationship between ultra-processed food consumption and various health outcomes. The analysis found that several health risks increased with increasing consumption of such foods. However, the researchers emphasized that these findings should not be interpreted as a direct cause-and-effect relationship. The study found a statistical link between ultra-processed food intake and health problems. This does not directly prove that consumption of these foods is the sole cause of disease. How to understand the 100-gram amount: The study used an additional 100 grams of ultra-processed food daily as a standard amount. This does not mean that a person has a certain risk of getting sick after eating 100 grams of such food, or that 100 grams is a safe or unsafe limit. This amount was used primarily to assess how health risk changes with increasing intake. The research also indicated that the association between higher intake and increased health risk increased steadily in many cases. This means that the concern isn't just whether a person eats ultra-processed foods, but the amount of such foods in their overall diet can also be important. What is ultra-processed food? Ultra-processed food refers to foods that are prepared industrially, far beyond the normal home cooking or preservation process. They may involve a variety of processes, including flavor, color, texture, and durability enhancements. Packaged snacks, some instant noodles, sweetened and flavored beverages, packaged sweets, some processed meats, and ready-to-eat or ready-to-heat products are common examples. However, not every packaged or processed food is ultra-processed. Pasteurizing milk, chopping vegetables, or simply preserving a food does not automatically make it ultra-processed. The classification depends on the level and type of industrial processing used to produce the food. Why excessive consumption can increase problems: Several possible reasons have been suggested for the link between ultra-processed foods and health problems. Many such foods may be high in salt, free sugars, and energy, and relatively low in fiber. Regularly consuming them in large quantities can affect overall dietary quality and may be linked to weight gain and metabolic problems. Researchers have also focused on the potential role of certain additives used in foods and compounds formed during industrial processing. Some laboratory and other studies have linked the consumption of such foods to changes in the gut microbial community, inflammation, and insulin function. However, more research is needed to fully understand these processes. Balance with convenience is also important: In today's fast-paced work life, instant noodles, packaged snacks, and ready-to-eat meals are readily available. The problem can become more significant when convenience-driven foods begin to replace regular, balanced meals. If packaged and highly processed foods are consistently replaced with less-processed foods like fruits, vegetables, pulses, whole grains, and nuts, the nutritional quality of the overall diet can be affected. Therefore, experts generally recommend increasing the proportion of less-processed options like fruits, vegetables, pulses, whole grains, and nuts in the diet. Replace sweetened drinks with water or sugar-free beverages. And choosing fruit or nuts over packaged snacks can also be an easy way to reduce the amount of ultra-processed foods in your everyday diet.

Actress makes shocking revelation: She was replaced from a film, says the actor's wife...

Taapsee Pannu, during a conversation, recalled an incident involving her casting in a film. She also discussed the reason behind it. Find out what Taapsee said. Actress Taapsee Pannu is known for her outspoken style and often shares her film journey with fans. During a conversation, she discussed a film from which she was removed without any reason. What did Taapsee say about that incident? Taapsee Pannu has carved a niche for herself in Bollywood without any help. However, during Nayandeep Rakshit's podcast, she spoke about that bitter experience. She said, "I was told that the film's lead actor cast someone else in my place. God knows why. I keep thinking of various reasons." I can understand the feeling of insecurity. I can think of someone he was closer to. I can think of many reasons, but I wasn't given any concrete reason. I was simply told that he didn't want me in the film." Further in her conversation, Taapsee said, "I was told that the hero's wife doesn't like me. I don't know why she didn't like me." However, Taapsee did not name the actor or his wife. What did the actress say about the film industry? In a separate interview recently, Taapsee also talked about her producers and directors. In an interview with PTI, she said, "Everyone is going into their comfort zone and using tried-and-true methods. For example, for glamorous roles, they have a group of five actresses they can cast, and for films based on serious issues, they have another group of five actresses." I have started rejecting films for this reason, I tell the producers that the audience will easily guess the climax.' Taapsee was seen in the film 'Gandhari' - Taapsee Pannu was last seen in the film 'Gandhari'. The film is directed by Devashish Makhija. The film also stars Shavak Singh and Swastika Mukherjee. Chhaya Kadam is once again seen in a powerful style. The film was released on Netflix on 03 September.

Bigg Boss 20: Aman Gandhi breaks down remembering Shagun Sharma, says Mahhi Vij will confirm their relationship! What did Amrapali say?

Television actor Aman Gandhi is currently appearing on "Bigg Boss 20." He was seen getting emotional while remembering his ex-girlfriend on the show. While he was remembering his ex-girlfriend on the reality show "Bigg Boss 20," he became emotional and tears welled up. Several contestants, including Mahhi Vij and Arishfa Khan, consoled him. During this, Aman Gandhi wished he hadn't moved on when he left. Aman remembers his girlfriend after the breakup. The popular show "Bigg Boss 20" is quite entertaining. While there are plenty of fights and arguments between the contestants, some also share a good bond. The contestants are also seen discussing their personal lives with each other. Meanwhile, Aman Gandhi remembered his ex-girlfriend. In a promo shared on Jio Hotstar's Instagram account, Aman Gandhi can be seen wiping away his tears. Mahi then consoled him, saying, "Oh my god, brother is crying. He's crying remembering his love." Mahi further added, "Now I'll have to take the relationship with you after Bigg Boss." Aman Gandhi said, "You get close to each other, whether it's a breakup or something else." Amrapali replied, "She must be feeling the same way too." Mahi, Arishfa, and Amrapali offered reassurance. Aman Gandhi further said, "Now I understand why she was talking to me when she went to South Africa. I hope she doesn't move on when I leave." Amrapali and Mahi Vij were seen saying, "Ma'am, please don't move on. Brother is crying. Please wait." Amrapali and Arishfa also urged Aman's ex-girlfriend to wait for him. Arishfa also reassured Aman Gandhi that she didn't think she would move on. Aman replied, "It's time, isn't it?" Did Aman cry remembering Shagun Sharma? Aman Gandhi didn't mention anyone's name when talking about his ex-girlfriend. However, the way he spoke suggests he was remembering Shagun Sharma. Shagun and Aman Gandhi appeared together in "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2." Meanwhile,

in November 2025, they confirmed their relationship in an interview with Hauterfly. They also revealed that they knew each other before "Kyunki 2." Furthermore, Aman mentioned South Africa, where Shagun Sharma recently traveled to shoot for Rohit Shetty's show "Khatron Ke Khiladi 15." In such a situation, it is believed that Aman spoke about himself and Shagun. It remains to be seen how Shagun responds to this.

Tripti Dimri's photos: Actress embarks on a trip to the US, posing in the lap of nature; users offer this advice

Tripti Dimri has shared new photos on social media. Her fans are liking these photos. Bollywood actress Tripti Dimri is very active on social media. She shares many happy moments from her life. Recently, she traveled to San Francisco, USA, and shared several stunning photos from there. What's in Tripti's post? In the photos shared on Instagram, she can be seen in a natural Tripti Dimri environment. She poses beautifully near a tree in the forest and on the beach. Her posts reflect her love for the natural environment. Users liked Tripti's post - Many users liked the actress's post and are also commenting on it. One user wrote, "India's greatest actress." Another user wrote, "Very nice post." I feel like looking at it forever.' Another user wrote, 'Your picture with the cap is the best.' The actress captioned her post with 'SFO.' Many users have advised her to change it to 'SF.' This is because SFO is the name of the airport, while SF stands for San Francisco. Tripti Dimri's work front: On the work front, Tripti Dimri will soon be seen opposite Prabhas in the film 'Spirit.' This role was originally offered to actress Deepika Padukone. It is reported that the actress demanded to work in 8-hour shifts. This led to a disagreement with director Sandeep Reddy Vanga, and she withdrew from the film. What will be the story of 'Spirit'? In addition to Tripti and Prabhas, 'Spirit' will also star Vivek Oberoi and Prakash Raj. According to media reports, the film will depict the story of a tough but honest police officer who embarks on a mission to catch criminals.